DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

संजा

02

LIVE 20-03-2024 09:00 AM

1. भाववाचक संज्ञा – जिन संज्ञा शब्दों से किसी भाव, गुण दशा आदि बोध हो। उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

भाववाचक संज्ञा की गणना नही की जा सकती।

भाववाचक संज्ञा अदृश्य होती है।

भाववाचक संज्ञा का निर्माण पाँच प्रकार से किया जाता है।

① जातिवाचक - भाववाचक

मनुष्य	-	मनुष्यता
मानव	-	मानवता
मित्र	-	मित्रता
बूढ़ा	-	बुढ़ापा
नारी	-	नारीत्व
इंसान	-	इंसानियत

② सर्वनाम - भाववाचक

अहं	-	अहंकार
अपना	-	अपनत्व / अपनापन
निज	-	निजत्व
सर्व	-	सर्वस्व
स्व	-	स्वत्व
मम	-	ममता / ममत्व

③- विशेषण - भाववाचक

सुन्दर - सुन्दरता

वीर - वीरता

मोटा - मोटापा

चौड़ा - चौड़ाई

कठोर - कठोरता

सफल - सफलता

मीठा - मिठास

④- क्रिया - भाववाचक

लिखना - लिखाई

पढ़ना - पढ़ाई

भटकना - भटकाव

चढ़ना - चढ़ाई

घबराना - घबराहट

बुलाना - बुलावा

⑤- अव्यय - भाववाचक

निकट - निकटता

धिक् - धिक्कार

दूर - दूरी

शाबाश - शाबाशी

समीप - समीपता | समीप्य

④. **समूहवाचक संज्ञा** – जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति की वस्तुओं के समूह का बोध होता है। उसे समूह वाचक संज्ञा कहते हैं।

- **व्यक्तियों का समूह** – परिवार, संघ, सेना, झुण्ड, टुकड़ी, गिरोह, दल, कक्षा, सभा, पुलिस, समीति, टीम, आदि
- **वस्तुओं का समूह** – गुच्छा, पुंज, ढेर, श्रृंखला, गट्ठर, दर्जन, जखीरा(हथियारों से भरा), फूलो का गुलदस्ता आदि

5. **द्रव्यवाचक संज्ञा** - जिन संज्ञा शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ या द्रव्य का बोध हो जिन्हें हम नाप-तौल सकते है परन्तु गिन नही सकते है। उन्हें द्रव्य | पदार्थ वाचक संज्ञा कहते है।

नाप-तौल सकते हैं किन्तु गिन नहीं सकते

- **धातुओं के नाम** – सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा, पीतल आदि
- **पदार्थों के नाम** – दूध, दही, घी, तेल, पानी, पेट्रोल, डीजल, तेजाब आदि